(a) whether Government's attention has been drawn to a news-item published in the *Statesman* of 3rd October, 1965 (page 9, column 3) to the effect that Russia is rushing more Kerosene Oil to India to tide over the present acute shortage of this essential commodity;

(b) if so, the total quantity of Kerosene Oil and other petroleum products which Russia has agreed to supply; and

(c) whether it will fill the gap of the country's requirements of Kerosene oil?

The Minister of Petroleum and Chemicals (Shri Humayun Kabir): (a) and (b). Yes, Sir. The Indian Oil Corporation have entered into contracts for the import of 12,15,000 tonnes of petroleum products including kerosene from the U.S.S.R. and are negotiating for certain additional imports of petroleum products from that country during the current year.

(c) Yes, Sir, except to the extent that kerosene has to be diverted for Defence requirements.

Cochin Refinery

***8. Shri Subodh Hansda:**
Shri Daljit Singh:
Shri Yashpal Singh:
Shri Kapur Singh:

Will the Minister of **Petroleum and Chemicals** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the initially estimated cost of Cochin refinery has gone up to the extent of rupees five crores;

(b) if so, the reasons therefor;

(c) whether this is further likely to go up by the time of its completion; and

(d) the progress made so far in its construction?

The Minister of Petroleum and Chemicals (Shri Humayun Kabir): (a) and (b). The cost of the refinery is now estimated at Rs. 21·92 crores, which is Rs. 4·07 crores higher than the initial estimate made on the basis of prices in 1962. The increase is due to the rise in prices and the higher rate of customs duty on equipment and materials and the inclusion of an unforeseen expenditure on construction of dock facilities.

(c) No, Sir.

(d) Construction work is in progress and the refinery is likely to be commissioned by the end of the financial year.

शिक्षकों के वेतन

*9. श्री म० ला० द्विवेदी :
श्री सुबोध हंसदा :
श्री स० चं० सामन्त :
श्री प० ला० बारूपाल :
श्री श० ना० चतुर्वेदी :
श्री दी० चं० शर्मा :

क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार किसी ऐसी योजना पर विचार कर रही है कि देश में शिक्षकों का न्यूनतम वेतन 100 रुपए प्रतिमास होना चाहिए ;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार को यह मालूम है कि आजकल महंगाई के दिनों में 100 रुपए प्रतिमास से भी घर का खर्च चलाना संभव नहीं है और इस प्रकार शिक्षक अपना कर्तव्य संतोषजनक ढंग से पूरा नहीं कर सकते हैं ;

(ग) सरकार द्वारा इस योजना के कब तक क्रियान्वित किये जाने की संभावना है ; और

(घ) इस पर सरकार द्वारा कितनी राशि खर्च की जायेगी ?

शिक्षा मंत्री (श्री मु० क० चागला) : (क) जी, नहीं ।

(ख), से (घ). प्रश्न नहीं उठता ।

केन्द्रीय विश्वविद्यालय

*10. श्री प्रकाशवीर शास्त्री :
श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती :
श्री ओंकार लाल बेरवा :
श्री बृजराज सिंह :
श्री गोकरन प्रसाद :
श्री हुकम चन्द कछवाय :

क्या शिक्षा मंत्री 15 सितम्बर 1965 के तारांकित प्रश्न संख्या 657 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) चौथी पंचवर्षीय योजना में सभी राज्यों में केन्द्रीय विश्वविद्यालय स्थापित करने की योजना में और क्या प्रगति हुई है ;

(ख) इस सम्बन्ध में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने क्या निणय किया है; और

(ग) क्या कुछ राज्यों ने भी इस योजना से सहमति प्रकट की है ?

शिक्षा मंत्री (श्री मु० क० चागला) : (क) और (ख). राज्यों में Central Universities (केन्द्रीय विश्वविद्यालय) स्थापित करने के मामले पर U.G.C. (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग) ने 6 अक्तूबर, 1965 की अपनी बैठक में विचार किया और इस मामले को Education Commission (शिक्षा आयोग) के पास भेजने की इच्छा व्यक्त की ।

(ग) राज्य सरकारों से अभी बातचीत नहीं की गई है ।

केन्द्रीय स्कूलों में प्रवेश

*11. श्री मधु लिमये :
श्री बागड़ी :

क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या विभिन्न राज्यों में केन्द्र द्वारा स्थापित तथा वित्तपोषित केन्द्रीय स्कूलों में केवल सरकारी कर्मचारियों के बच्चों को दाखिल किया जाता है अथवा अन्य छात्रों को भी प्रवेश मिलता है;

(ख) अन्य छात्रों की प्रतिशतता क्या है;

(ग) इन स्कूलों में हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम वाले छात्रों की अलग-अलग संख्या क्या है ; और

(घ) यह योजना कहां तक उपयोगी सिद्ध हुई है ?

शिक्षा मत्रालय में उपमंत्री (श्रीमती सौन्दरम रामचन्द्रन) : (क) जी नहीं; किन्तु स्थानांतरणीय केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों के बच्चों को प्राथमिकता दी जाती है ।

(ख) प्रत्येक स्कूल की प्रतिशतता भिन्न भिन्न है ।

(ग) और (घ). इन स्कूलों में प्रशिक्षण का माध्यम अन्तिम रूप से ये दोनों भाषाएं हैं । कुछ अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाते हैं और कुछ हिन्दी माध्यम से । यह योजना उन बच्चों के लिए उपयोगी सिद्ध हुई है जिनके माता पिता देश के एक भाग से दूसरे भागों में आते जाते रहते हैं और वे इन दोनों भाषाओं में शिक्षण प्राप्त करने को अधिक अच्छा समझते हैं जिससे बच्चों की पढ़ाई का क्रम भंग न हो ।

Fertilizer Plants

*12. **Shrimati Sharda Mukerjee:** Will the Minister of **Petroleum and Chemicals** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the U.S. Bechtel Corporation has made a